

11Syllabus NEP 2020

कोटा विश्वविद्यालय कोटा

बी.ए. सेमेस्टर पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्य (स्नातक) कोड.....

सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य (DCC Paper)

डिप्लोमा पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य (DCC Paper)

स्नातक पाठ्यक्रम – हिन्दी साहित्य (DSC Paper)



सत्र 2025–26

महाराव भीमसिंह मार्ग, कबीर सर्किल

स्वामी विवेकानन्द नगर

कोटा राजस्थान 324005

Website: uok.ac.in

पाठ्यक्रम के उद्देश्य

विश्व में लगभग 193 देशों में हिन्दी भाषा का अध्ययन एवं अध्यापन किया जा रहा है। हिन्दी भाषा का व्याकरण वैज्ञानिक तथा साहित्य समृद्ध है। हिन्दी साहित्य भारतीय संस्कृति, परंपरा एवं समाज चेतना का संवाहक है। भारत के सम्पूर्ण विश्वविद्यालयों में हिन्दी भाषा अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषय के रूप में स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर पढ़ाई जाती है। हिन्दी भाषा एवं साहित्य पर व्यापक शोध किये जा रहे हैं। कोटा विश्वविद्यालय कोटा का नयी शिक्षा नीति 2020 पर आधारित हिन्दी पाठ्यक्रम स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर रोजगार परक एवं शिक्षाप्रद है। हिन्दी का प्रयोग व्यापक स्तर पर होने के कारण प्रयोजनमूलक हिन्दी पढ़कर छात्र पत्रकारिता, अनुवाद एवं जनसंचार के क्षेत्र में अपना भविष्य तलाश सकते हैं। वहीं सफल अनुवादक भी बन सकते हैं एवं एक अच्छे समाज का निर्माण कर सकते हैं। यह पाठ्यक्रम छात्र में तर्कशक्ति एवं आलोचनात्मक समझ को विकसित करने के साथ-साथ नवीन शोध के मार्ग भी प्रशस्त करेगा।

स्नातक स्तरीय हिन्दी पाठ्यक्रम

पाठ्यक्रम की अवधि:— हिन्दी साहित्य स्नातक स्तर पाठ्यक्रम तीन शैक्षणिक वर्षों को छः सेमेस्टर में विभाजित किया गया है।

1. सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम— प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर।
2. डिप्लोमा पाठ्यक्रम— प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर।
3. स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम — सभी छः सेमेस्टर उत्तीर्ण करने पर।

पाठ्यक्रम की संचरना:— स्नातक स्तरीय हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम नियमित एवं स्वयंपाठी छात्रों के लिए होगा। पाठ्यक्रम में छात्र-छात्राओं के कौशल विकास को व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक लेखन तथा आंतरिक मूल्यांकन, असाइनमेंट एवं साक्षात्कार के माध्यम से मूल्यांकित किया जा सकेगा।

स्नातक उपाधि हेतु सेमेस्टर आधारित हिन्दी साहित्य पाठ्यक्रम की सूची							
सर्टिफिकेट कोर्स – हिन्दी साहित्य (DCC Paper)							
वर्ष एवं कोड	सेमेस्टर	Number	कोर्स / पाठ्यक्रम का कोड	प्रश्न पत्र कोड / नाम	सैद्धान्तिक / प्रायोगिक	कुल क्रेडिट	
प्रथम वर्ष 5114	I		DCC	HIN 101-प्राचीन काव्य	सैद्धान्तिक	06	
	II		DCC	HIN 102- कथा साहित्य	सैद्धान्तिक	06	
डिप्लोमा पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य (DCC Paper)							
द्वितीय वर्ष 5214	III		DCC	HIN 201 मध्यकालीन काव्य	सैद्धान्तिक	06	
	IV		DCC	HIN 202 प्रयोजन मूलक हिन्दी	सैद्धान्तिक	06	
स्नातक पाठ्यक्रम हिन्दी साहित्य (DSC Paper)							
तृतीय वर्ष 5314	V		DCC	HIN 301 A आधुनिक हिन्दी कविता	सैद्धान्तिक	06	
			DCC	HIN 301 B समकालीन हिन्दी कविता	सैद्धान्तिक	06	
			DCC	HIN 301 C महाकाव्य, खण्ड काव्य एवं गीति काव्य	सैद्धान्तिक	06	
	VI		DCC	HIN 302 A नाटक, निबंध एवं रंगमंच	सैद्धान्तिक	06	
			DCC	HIN 302 B कथेतर गद्य विधाएँ	सैद्धान्तिक	06	
			DCC	HIN 302 C हिन्दी एकांकी	सैद्धान्तिक	06	

नोट:- सेमेस्टर V व सेमेस्टर VI मे विद्यार्थियों को तीन प्रश्न पत्रों में से एक का चयन करना होगा।

बी.ए. सेमेस्टर – I

विषय – हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्न पत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें सैद्धान्तिक परीक्षा के लिए 100 अंकों का प्रश्न पत्र होगा। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का रहेगा। जिसमें 20 अंक असाइनमेंट के होंगे। 20 अंक का लिखित टेस्ट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का असाइनमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

क्रेडिट— 06

कुल व्याख्यानों की संख्या:—

90

सैद्धान्तिक प्रश्नपत्र – प्राचीन काव्य

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 101

समयावधि— 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न हल करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम-पाठयोजना

इकाई – प्रथम

(क) निर्धारित कवि

1. चन्द्रवरदाई – पृथ्वीराज रासो (लघु संस्करण) पदमावती समय:

छन्द संख्या – 5, 9, 12, 15, 34, 60, 62, 69= 08 छन्द

2. कबीरदास (कबीर वाङ्मय : जयदेव सिंह वासुदेव सिंह, वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी से)

साखी : गुरुदेव को अंक – 4,11,13; सुमिरन का अंग– 2,4,6,9; विरह को अंग– 3, 6, 12, 29, 35, 40;
परचा को अंग– 3, 4, 11, 35 ; निहकर्मि पतिव्रता को अंग – 2, 4, 16 कुल–20

सबद : 48, 114, 137, 146, 168, 179, 218, 285, 297, 325 कुल–10

3. जायसी (जायसी ग्रन्थावली : सं. रामचन्द्र शुक्ल, ना.प्र.स. काशी से) केवल मानसरोदक खंड

इकाई – द्वितीय

4. सूरदास (सूरसागर सार : सं. धीरेन्द्र वर्मा से)

विनय तथा भक्ति– 2, 10, 21, 23, 25; गोकुल लीला–19 ; वृंदावन लीला–13,42; राधा–कृष्ण – 2, 63,
106 ;मथुरा गमन– 58, 68, 93; उद्धव संदेश – 2, 55, 95, 125, 187; द्वारका चरित– 50 कुल= 20 पद

5. तुलसीदास (तुलसी ग्रंथावली – मानसेतर एकादश ग्रंथ–ना.प्र.स काशी से)

गीतावली : बालकाण्ड – 23, अयोध्या कांड – 54, 62, 87 ; लंकाकांड –7 ; विनय पत्रिका : 105, 162,
172, 174, 198; कवितावली: अयोध्याकांड– 5, 6, 7, 8, 11, 12, 13, 18, 19, 20, 21, 22 कुल = 22
पद

6. रसखान(रसखान ग्रंथावली: सं. विद्यानिवास मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली से)
सुजान–रसखान–2,3,7,10,13,18,27,55,56,73,75,80,101,112,128,129,147,150,178, 225, 237 कुल = 21
पद

7. मीरा (मीरा पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी – हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग से) 19, 20, 31, 36, 39,
41, 46, 48, 52, 53, 70, 76, 84, 87, 103, 106, 146, 153, 171 कुल = 19 पद

इकाई – तृतीय

8. नरोत्तम दास – सुदाम चरित (सम्पूर्ण)

इकाई – चतुर्थ

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल एवं भक्तिकाल

इकाई – पंचम

(ग) काव्यांग परिचय :

शब्द शक्ति – अभिधा, लक्षणा, व्यंजना।

काव्यगुण : माधुर्य, ओज, प्रसाद

काव्यदोष : श्रुतिकटुत्व, च्युतसंस्कृति, क्लिष्टत्व, ग्रामत्व, अश्लीलत्व, अक्रमत्व, दुष्क्रमत्व, पुनरुक्ति।

अलंकार : यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अतिशयोक्ति, निदर्शना, दीपक, अर्थान्तरन्यास, सन्देह
भ्रान्तिमान, अपहृन्ति, दृष्टान्त, व्यतिरेक, विरोधाभास, असंगति विशेषोक्ति, विभावना, अन्योक्ति।

छन्द : कवित्त, सवैया, दोहा, सोरठा, चौपाई, बैरवे, रोला, हरिगीतिका, छप्पय, कुंडलिया।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल ना.प्र.स. का पी
2. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग-1) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन न. दिल्ली।
3. काव्य के तत्व – आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. कविता की पहचान – डॉ हनुमान प्रसाद शुक्ल, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस न. दिल्ली।

वेब लिंक :

1. <https://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAHL-102.pdf>
2. <https://hindisahitya28.files.wordpress.com/2017/12>
3. <https://www.gkpad.com/sachin/11-22>

बी.ए. सेमेस्टर – II

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्योरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

क्रेडिट-6

कुल व्याख्यानों की संख्या:- 90

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र- कथा साहित्य

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 102

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम-पाठ योजना

इकाई – I

कहानियां

1. बंग महिला – दुलाई वाली
2. चंद्रधर शर्मा गुलेरी – उसने कहा था

3. प्रेमचन्द – ठाकुर का कुआं
4. जयशंकर प्रसाद – मधुआ
5. जैनेन्द्र कुमार – पाजेब

इकाई – II

1. यशपाल – परदा
2. उषा प्रियवंदा – वापसी
3. अमरकान्त – डिप्टी कलक्टरी
4. यादवेन्द्र शर्मा 'चंद्र' – मेंहदी के फूल
5. अज्ञेय' – रोज़ (ग्रेनीन)

इकाई – III

उपन्यास – भीष्म साहनी – तमस

इकाई – IV

हिन्दी कहानी का उद्भव एवं विकास : स्वरूप, तत्व एवं प्रकार

इकाई – V

हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास : स्वरूप, तत्व एवं प्रकार

सहायक ग्रंथ

1. कहानी : नई कहानी – डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान – डॉ. रामदरश मिश्र, ने नल पब्लििंग हाउस, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा – डॉ. रामदरश मिश्र राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

वेब लिंक :

- 1- <https://hindikahani.hindi-kavita.com/>
- 2- <https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/61625>

बी.ए. सेमेस्टर – III

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्योरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

क्रेडिट-6

कुल व्याख्यानों की संख्या:- 90

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र-मध्यकालीन काव्य

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 201

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक $2 \times 10 = 20$

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक $5 \times 16 = 80$

पाठ्यक्रम-पाठयोजना

इकाई – I

निर्धारित कवि

- केशवदास (संक्षिप्त रामचन्द्रका : सं. लाला भगवान दीन, ना. प्र.स. काशी)
बाल कांड – 2, 3, 80, 172, 192, 193
अयोध्या कांड – 25, 31, 39
अरण्य कांड – 18

सुन्दर कांड	—	15, 16, 34, 35, 55, 57
लंका कांड	—	3, 4, 19, 20, 21, 133, 134, 147
उत्तर कांड	—	121

2. बिहारी (बिहारी रत्नाकर: जगन्नाथ दास रत्नाकर द्वारा संपादित)

1,7,8,9,20,27,32,34,41,51,52,60,61,62,69,70,94,95,121,191,201,225,255,301,317,347,361,363,384,472,
576, 583, 588, 642, 681 कुल 35 छंद

इकाई – II

1. घनानन्द (घनानन्द कवित्त सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र संजय बुक सेन्टर, वाराणसी)

2, 3, 4, 5, 6, 9, 12, 13,14, 15, 27, 60, 66, 68, 70, 73, 75, 82, 84, 97 कुल 20 छंद

2. भूषण (भूषण ग्रन्थावली सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)

411, 412, 420, 421, 428, 429, 431, 432, 437, 443, 451, 463, 477, 478, 480, 510, 512, 546,
548, 551, 561, 586 कुल 22 छंद

3. सूर्यमल्ल मिश्रण – वीर सत्सई प्रारंभ के 50 छन्द

इकाई – III

जगन्नाथदास रत्नाकार – उद्धव शतक (सम्पूर्ण)

इकाई – IV

हिन्दी साहित्य का इतिहास – रीतिकाल

इकाई – V

1. काव्य रीति

2. रस-रस का स्वरूप, अवयव एवं रस लक्षण, विश्लेषण एवं निष्पत्ति।

3. हिन्दी के प्रमुख रीति आचार्य एवं उनका चिन्तन।

सहायक ग्रंथ –

1. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग- 2) आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

2. रीति काव्य की भूमिका – डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली

3. हिन्दी साहित्य का इतिहास, रीतिकाल आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।

वेब लिंक :

1. https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou23_hs20/preview

2. <https://www.google.com/url?sa=t&source=web&rct=j&opi=89978449&url=https://m.sahityakunj.net/entries/view/madhyakaaliin-evam-aadhunik-kaavya&ved=2ahUKEwjE1rCcNyBAxWO8DgGHeqVDqcQFnoECB8QAQ&usg=A0vVaw0GI3yicbXD2yhcbuwfj-AV>

3. <https://www.jankipul.com/author/hiwebadm>

बी.ए. सेमेस्टर – IV
विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्योरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र— — प्रयोजनमूलक हिन्दी

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 202

क्रेडिट-6

कुल व्याख्यानों की संख्या:- 90

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक

5x16=80

पाठ्यक्रम-पाठ योजना

इकाई – I

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी अभिप्राय और क्षेत्र
2. पत्रकारिता – रूप और प्रकार
3. पत्रकार वार्ता
4. हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास
5. प्रमुख पत्र पत्रिकाएँ और पत्रकार

इकाई – II

1. संपादन कला
2. सम्पादकीय लेखन
3. रिपोर्टिंग
4. प्रूफ – शोधन
5. साक्षात्कार
6. प्रेस प्रबंधन
7. प्रेस कानून और आचार संहिता

इकाई – III

1. संचार माध्यम लेखन
2. संचार माध्यम का स्वरूप मुद्रण, श्रव्य, दृश्य, इंटरनेट।
3. संचार माध्यमों की प्रकृति और चरित्र
4. विज्ञापन लेखन – उद्देश्य और स्वरूप तथा भाषिक – विन्यास।
5. रेडियो लेखन– श्रव्य भाषा की प्रकृति, रेडियो लेखन के विविध पक्ष–उद्घोषणा, समाचार, नाटक एवं रूपक, फीचर, रिपोर्ट, संयोजन

इकाई – IV

1. टेलिविजन एवं फिल्म लेखन–दृष्य माध्यमों की भाषा और सामग्री संयोजन, पार्श्ववाचन, पटकथा–लेखन, संवाद लेखन, टेलीड्रामा एवं डॉक्यूमेंटरी, साहित्यिक कृतियों का दृष्य माध्यमों में रूपान्तरण।
2. इंटरनेट :- सामग्री – सृजन एवं संयोजन

इकाई – V

1. अनुवाद – महत्व और स्वरूप, प्रक्रिया, प्रकार
2. अनुवाद और समतुल्यता
3. अनुवाद समीक्षा
4. अनुवाद की प्रकृति
5. अनुवाद की समस्याएं– पारिभाषिक शब्दावली के अनुवाद की समस्याएं, साहित्यानुवाद की समस्याएं

सहायक ग्रन्थ

- | | | |
|-----------------------------------|---|--|
| 1. आधुनिक पत्रकारिता | – | डॉ. अर्जुन तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
| 2. हिन्दी पत्रकारिता | – | डॉ. कृष्णाबिहारी मिश्र, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली |
| 3. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य | – | राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
| 4. मीडिया लेखन | – | सुमित मोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |

5. पटकथा लेखन: एक परिचय, — मनोहर श्याम जोशी, राजकमल, नई दिल्ली
6. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प— डॉ. मनोहर प्रभाकर राधाकृष्ण, नई दिल्ली
7. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा — डॉ. सुरेश कुमार वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. अनुवाद: सिद्धांत और समस्याएँ — डॉ. रवीन्द्र नाथ श्रीवास्तव, डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी आलेख प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग — डॉ. जी. गोपीनाथन, लोकभारती इलाहाबाद

वेब लिंक :

1. <https://hi.m.wikipedia.org/wiki>
- 2- <https://egyankosh.ac.in/bitstream/123456789/91090/1/Unit-1.pdf>
- 3- <https://jvbi.ac.in/dde/pdf/menu/distance/SLM/BA-III-HL-II.pdf>

बी.ए. सेमेस्टर – V

विषय : हिन्दी साहित्य

नोट:— सेमेस्टर V व सेमेस्टर VI मे विद्यार्थियों को तीन प्रश्न पत्रों में से एक का चयन करना होगा।

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्योरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र – आधुनिक हिन्दी कविता

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 301 (A)

क्रेडिट—6

कुल व्याख्यानों की संख्या:— 90

समयावधि— 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम-पाठयोजना

इकाई-I

(क) निर्धारित कवि

1. मैथिलीशरण गुप्त –

(i) द्वापर से – विधृता

(ii) यशोधरा से – यशोधरा 5 एवं 6

2. जयशंकर प्रसाद –

आँसू से – कुल 19 छन्द (नाविक! इस सूने तट पर से है खेल आँख का मनका तक)
लहर से – 2 गीत एवं 1 कविता

(i) ले चल मुझे भुलावा देकर

(ii) बीती विभावरी जाग री

(iii) पेशोला की प्रतिध्वनि

3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(i) जूही की कली ("परिमल" से)

(ii) बादल-राग – 6 ("परिमल" से)

(iii) तोडती पत्थर ("अनामिका" से)

(iv) स्नेह निर्झर बह गया है ("अणिमा" से)

इकाई – II

4. सुमित्रानन्दन पन्त –

(i) प्रथम रश्मि ("वीणा" से)

(ii) आँसू की बालिका ("पल्लव" से)

(iii) द्रुत झरो ("युगान्त" से)

(v) आ: धरती कितना देती है ("अणिमा" से)

5. महादेवी वर्मा –

(i) जो तुम आ जाते एक बार

(ii) कौन तुम मेरे हृदय में

(iii) मधुर-मधुर मेरे दीपक जल

(iv) मैं नीर भरी दुख की बदली

6. नागार्जुन –

(i) सिन्दूर तिलकित भाल

(ii) हरिजन-गाथा

(iii) सत्य

(iv) बहुत दिनों के बाद

इकाई – III

7. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन "अज्ञेय" –
 (i) आज थका हिय हारिल मेरा (ii) सागर-मुद्रा – 2
 (iii) नदी के द्वीप (iv) कितनी नावों में कितनी बार
8. गजानन माधव मुक्तिबोध –
 (i) ब्रह्मराक्षस (ii) कल जो हमसे चर्चा की थी
9. धूमिल –
 (i) मोचीराम (ii) पटकथा
10. रघुवीर सहाय –
 (i) रामदास (ii) अधिनायक
 (iii) आत्महत्या के विरुद्ध

इकाई – IV

(क) आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : वाद और प्रवृत्तियाँ

इकाई – V

(ख) आधुनिक हिन्दी कविता के वैचारिक आधार एवं तत्त्व-मानववाद, विकासवाद, आधुनिकता, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद, अस्तित्ववाद, फैंटेसी, मिथक, प्रतीक, बिंब, उत्तर आधुनिकतावाद।

सहायक ग्रन्थ :

- | | | |
|-----------------------------------|---|---|
| 1. हिन्दी साहित्य का इतिहास | – | सं. डॉ० नगेन्द्र, मयूर पेपरबैक्स, नोएडा |
| 2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास | – | डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली |
| 3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ | – | डॉ० नामवर सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद |
| 4- हिन्दी आलोचना के बीज शब्द | – | डॉ० बच्चन सिंह, वाणी, नं. दि. |

वेब लिंक

1. <https://ia601403.us.archive.org/12/items/in.ernet.dli.2015.380860/2015.380860.Aanksu.pdf>
2. <https://egyankosh.ac.in/handle/123456789/23429>
3. <https://hi.m.wikipedia.org/wiki/>
4. https://books.google.co.in/books?id=owZZY9giAJcC&printsec=frontcover&source=gbs_atb&redir_esc=y#v=onepage&q&f=false
5. <https://www.pustak.org/index.php/books/bookdetails/13485>

बी.ए. सेमेस्टर – V

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्योरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक डिटेर्म टेस्ट लिखित परीक्षा एवं 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र – समकालीन हिन्दी कविता

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 301 (B)

क्रेडिट-6

कुल व्याख्याओं की संख्या:- 90

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम योजना

इकाई-प्रथम

1. केदारनाथ सिंह – उत्तर कबीर, बनारस
2. शमशेर बहादुर सिंह – निराला के प्रति, राग
3. त्रिलोचन शास्त्री – उस जनपद का कवि हूँ , ताप के ताए हुए दिन
4. डॉ. केदारनाथ अग्रवाल – आज नदी बिल्कुल उदास थी।

इकाई-द्वितीय

1. लीलाधर जंगूड़ी – नाटक जारी है।
2. मंगलेश डबराल – पहाड़ पर लालटेन
3. अरुण कमल – केवल अपनी धार
4. नन्द किशोर आचार्य – चौमासा, बाँसुरी, सब जो खिला था।

इकाई—तृतीय

1. दुष्यन्त कुमार — (सायें में धूप संग्रह से)
 1. हो गई है पीर पर्वत सी
 2. मैं जिसे ओढ़ता बिछाता हूँ
 3. कैसे मंजर सामने आने लगे
2. गोपाल दास नीरज —
 1. सारा जग मधुमय लगता है,
 2. आज की रात तुझे आखरी खत
 3. मैं तूफानों में चलने का आदी हूँ
3. बालस्वरूप राही —
 1. हम पर दुःख का पर्वत टूटा
 2. ज्ञान ध्यान कुछ काम न आए
 3. अक्ल ये कहती है,
 4. सयानों से बनाए रखना

इकाई—चतुर्थ

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास : युग, वाद और प्रवृत्तियाँ (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रायोगवाद, नई कविता, साठोत्तरी कविता, समकालीन कविता)

इकाई—पंचम

1. आधुनिक हिन्दी कविता के वैचारिक आधार: आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, फ्रैटेंसी, मिथक, बिम्ब, प्रतीक
2. हिन्दी गजल का उद्भव विकास एवं प्रवृत्तियाँ

सहायक ग्रन्थ:

1. समकालिन हिन्दी गजल—लेखक, रोहिताश अस्थाना
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास—सं. डॉ. नगेन्द्र
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास—डॉ. बच्चन सिंह

4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास—डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त—डॉ. गणपति चन्द्रगुप्त लोक भारती प्रकाशन
6. समकालीन हिन्दी गजल और गजलकार जहीर कुरेशी—डॉ. रामावतार मेघवाल रावत पब्लिकेशन नई दिल्ली।

•

बी.ए. सेमेस्टर – V

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें सैद्धान्तिक मूल्यांकन 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक मिडटर्म टेस्ट लिखित परीक्षा एवं 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र – महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं गीति काव्य

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 301 C

क्रेडिट-6

कुल व्याख्याओं की संख्या:- 90

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम-पाठयोजना

(क) महाकाव्य

इकाई-I

1. अयोध्या सिंह उपाध्याय '(हरिऔध)' – प्रिय प्रवास (पष्ठ सर्ग छन्द 1 से 50 तक)
2. डॉ. दयाकृष्ण विजयवर्गीय आंजनेय (चतुर्थ सर्ग-श्रीराम मिलन)

(ख) खण्डकाव्य

इकाई-II

1. रामधारी सिंह दिनकर—रश्मि रथी (तृतीय सर्ग)
2. श्यामनारायण पाण्डेय—हल्दीघाटी (सप्तम सर्ग)

(ग) गीतीकाव्य

इकाई—III

1. धर्मवीर भारती—अंधा युग
2. नरेन्द्र शर्मा—प्रवासी के गीत

इकाई—IV

आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ—भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता

इकाई—V

(क) आधुनिक हिन्दी कविता के वैचारिक आधार : आधुनिकतावाद, उत्तर—आधुनिकतावाद, अस्तित्ववाद, मनोविश्लेषणवाद, फैंटेसी, मिथक, बिम्ब, प्रतीक

(ख) महाकाव्य, खण्डकाव्य एवं गीतिकाव्य का उद्भव एवं विकास, स्वरूप एवं लक्षण, हिन्दी गीति—काव्य परम्परा

सहायक ग्रन्थः

1. आधुनिक हिन्दी कविता का इतिहास—नंद किशोर नवल, भारती ज्ञान पीठ, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिन्दी कविता—विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
3. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ—डॉ. नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
4. आधुनिक कविता यात्रा—रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, प्रयागराज
5. आजजनेय—डॉ. दयाकृष्ण विजयवर्गीय 'विजय' अर्चना प्रकाशन, अजमेर (राज.)

बी.ए. सेमेस्टर – VI

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें थ्योरी 100 अंक की होगी। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक का लिखित परीक्षा तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धांतिक प्रश्न पत्र— नाटक, निबंध एवं रंगमंच

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 302 A

क्रेडिट-6

कुल व्याख्यानों की संख्या:- 90

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम-पाठयोजना

इकाई-प्रथम

(क) नाटक

(i) आषाढ का एक दिन – मोहन राकेश

इकाई-द्वितीय

(ख) निबन्ध – संग्रह

- | | | | |
|-------|-------------------------|---|-------------------------------------|
| (i) | बालकृष्ण भट्ट | – | साहित्य जन-समूह के हृदय का विकास है |
| (ii) | चन्द्रधर शर्मा "गुलेरी" | – | धर्म और समाज |
| (iii) | रामचन्द्र शुक्ल | – | उत्साह |
| (iv) | हजारीप्रसाद द्विवेदी | – | देवदारु |
| (v) | महादेवी वर्मा | – | प्रणाम |

इकाई—तृतीय

(i)	अज्ञेय	—	सौन्दर्यबोध और शिवत्वबोध
(ii)	नामवर सिंह	—	संस्कृति और सौन्दर्य
(iii)	निर्मल वर्मा	—	भारतीय संस्कृति और राष्ट्र
(iv)	विद्यानिवास मिश्र	—	हल्दी –दूब और दधि–अच्छत
(v)	कुबेरनाथ राय	—	मधुर–मधुर मेरे रसराज

इकाई—चतुर्थ

(ग) इतिहास

(i) हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का इतिहास/ नाटक के प्रकार और उसके तत्त्व

इकाई—पंचम

(घ) (i) हिन्दी निबन्ध का उद्भव विकास

(ii) निबन्ध के प्रकार – स्वरूप और शैलियाँ

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी नाटक – डॉ० बच्चन सिंह, राधाकृष्ण, नयी दिल्ली
2. प्रसाद के नाटक – डॉ० सिद्धनाथ कुमार, अनुपम प्रकाशन, पटना
3. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ० रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

वेब लिंक :

1. <https://ia801503.us.archive.org/25/items/in.ernet.dli.2015.403339/2015.403339.Hindi-Rangmanch.pdf>
2. <https://www.hindikunj.com/2019/02/hindi-natak-vikas.html?m=1>
3. <https://sarkariguider.com/hindee-nibandh-saahity-ke-vikaas/>

—————

बी.ए. सेमेस्टर – VI

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें सैद्धान्तिक मूल्यांकन 100 अंक का होगा। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक मिडटर्म टेस्ट लिखित परीक्षा एवं 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी। स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र— कथेतर गद्य विधाएं

प्रश्न-पत्र कोड – HIN 302 B

क्रेडिट-6

कुल व्याख्यानों की संख्या:- 90

समयावधि- 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम योजना

इकाई-प्रथम

1. विष्णु प्रभाकर (जीवनी)- आवारा मसीहा (प्रथम पर्व- दिशाहारा पर्व)

इकाई—द्वितीय

1. महादेवी वर्मा (रेखाचित्र)—रामा, लछमा, सबिया
2. रामवृक्ष बेनीपुरी (रेखाचित्र)—माटी की मूरतें

इकाई—तृतीय

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय (यात्रा वृतान्त)— अरे यायावर रहेगा याद
2. अमृत लाल बेगड़ (यात्रा वृतान्त)— सौन्दर्य की नदी नर्मदा

इकाई—चतुर्थ

1. फणीश्वरनाथ रेणु—श्रुत—अश्रुत पूर्व
2. रांगेय राघव— तूफानों के बीच
3. रिपोतार्ज संग्रह से 'अदम्य जीवन' और 'तूफान के विजेता' शीर्षक अंश

इकाई—पंचम

1. कथेतर विधाओं का परिचय एवं विकास: जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र, रिपोतार्ज, यात्रा वृतांत।

सहायक ग्रन्थ:

1. हिन्दी गद्य: इतर की उपलब्धियाँ—ले. डॉ. पुष्प पाल सिंह वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
2. आधुनिक हिन्दी गद्य: साहित्य का विकास और विश्लेषण— ले. डॉ. विजय मोहन सिंह भारतीय ज्ञानपीठ—नई दिल्ली।
3. हिन्दी गद्य: विन्यास और विकास— डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी— राजकमल प्रकाशन— नई दिल्ली।
4. हिन्दी का गद्य साहित्य— डॉ. रामचन्द्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन—वाराणसी।

अथवा

बी.ए. सेमेस्टर – VI

विषय : हिन्दी साहित्य

प्रत्येक प्रश्नपत्र नियमित एवं स्वयंपाठी विद्यार्थियों के लिए 150 अंक का होगा जिसमें सैद्धान्तिक मूल्यांकन 100 अंक का होगा। नियमित विद्यार्थियों के लिए आंतरिक मूल्यांकन 50 अंक का होगा जिसमें 20 अंक एसाइमेंट के होंगे 20 अंक मिडटर्म टेस्ट लिखित परीक्षा एवं 10 अंक की मौखिक परीक्षा होगी। स्वयंपाठी परीक्षार्थियों के लिए 50 अंक के आंतरिक मूल्यांकन के अन्तर्गत 40 अंक का एसाइमेंट तथा 10 अंक का मौखिक परीक्षा होगी।

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र— हिन्दी एकांकी

प्रश्न—पत्र कोड – HIN 302 C

क्रेडिट—6

कुल व्याख्यानों की संख्या:— 90

समयावधि— 3 घंटे

पूर्णांक – 100

नोट : इस प्रश्न पत्र में 02 खण्ड निम्न प्रकार होंगे :

खण्ड – अ

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो।

कुल अंक 2x10=20

खण्ड – ब

इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 प्रश्न अथवा व्याख्या लेते हुए कुल 10 प्रश्न अथवा व्याख्याएं होंगी। प्रत्येक इकाई से 01 प्रश्न का चयन करते हुए कुल 05 प्रश्न करने हैं। प्रत्येक प्रश्न अथवा व्याख्या का उत्तर लगभग 500 शब्दों में हो।

कुल अंक 5x16=80

पाठ्यक्रम योजना

इकाई—प्रथम

1. डॉ. राम कुमार वर्मा – प्रतिशोध
2. भुवनेश्वर प्रसाद – ऊसर
3. उपेन्द्रनाथ 'अशक' – तौलिये

इकाई—द्वितीय

1. विष्णु प्रभाकर – सड़क
2. लक्ष्मीनारायण लाल – ताजमहल के आंसू
3. धर्मवीर भारती – नीली झील

इकाई—तृतीय

1. मोहन राकेश – अण्डे के छिल्के
2. भारत भूषण अग्रवाल – महाभारत की सांझ
3. उदयशंकर भट्ट – पर्दे के पीछे

इकाई—चतुर्थ

1. सुरेन्द्र वर्मा – हरी घास पर घण्टे भर
2. प्रभाकर माचवे – गली के मोड़ पर
3. जगदीश चन्द्र माथुर – मकड़ी का जाला

इकाई—पंचम

1. हिन्दी एकांकी का उद्भव एवं विकास, तत्व एवं प्रकार
2. संकलित एकांकी एवं एकांकीकारों पर आलोचनात्मक प्रश्न

सहायक ग्रन्थ:

1. हिन्दी एकांकी – सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली।
2. एकांकी और एकांकीकार – रामचरण महेन्द्र वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली।
3. हिन्दी नाटक का उद्भव एवं विकास – डॉ. दशरथ ओझा राजपाल एण्ड संस, नयी दिल्ली।
4. हिन्दी एकांकी : उद्भव और विकास – डॉ. रामचरण महेन्द्र साहित्य प्रकाशन, दिल्ली।
5. हिन्दी एकांकी– सं. चन्द्रगुप्त विद्यालकार राष्ट्रीय पुस्तक न्यास, भारत।
6. हिन्दी का गद्य साहित्य– डॉ. रामचन्द्र तिवारी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणासी।

